बहन का लौड़ा -27

“राधे और मीरा बाजार से खाना और बीयर लेकर आये… बीयर पीते हुए दोनों में चूत चुदाई का पूरा मजा लिया और फिर मूतने के लिए बाथरूम में गए…

खुद पढ़िये क्या हुआ …”

Story By: पिंकी सेन (pinky)
Posted: Monday, June 15th, 2015
Categories: जवान लड़की
Online version: बहन का लौड़ा -27

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहन का लौड़ा -27

अब तक आपने पढ़ा..

> राधे- मेरी जान.. एक महीने तक रोज चुदवा लेगी.. तब दर्द क्या सब कुछ भूल जाएगी.. बाद में तुझे ये लौड़ा भी काम लगेगा।
> मीरा- आह्ह.. चोदो आह्ह…. ज़ोर से घुसाओ आह्ह.. मज़ा आ रहा है।
>
> राधे स्पीड से लौड़े को अन्दर-बाहर करने लगा। मीरा की चूत में लौड़ा जड़ तक ठोकर मार रहा था।
> मीरा तो आसमानों की सैर कर रही थी।
>
> मीरा- आह्ह.. फक मी आह्ह.. फक मी हार्ड.. ऊई.. फास्ट.. राधे आह्ह.. पूरा घुसा दो.. आह्ह.. फाड़ दो मेरी चूत को.. आह्ह.. मज़ा आ गया आह्ह.. मैं गई.. ऊई.. मेरी चूत फट रही है।
> राधे- उहह उहह.. रुक मेरी जान.. आह्ह.. मेरा लौड़ा भी तेरी चूत के पानी में अपना पानी मिलाने के लिए तैयार है बस.. आह्ह.. थोड़ी देर आह्ह.. आह्ह…
> मीरा की चूत ने पानी छोड़ दिया और उसके अहसास से ही राधे का लौड़ा भी झड़ने लगा। दोनों के पानी का मिलन हो गया। मीरा और राधे लंबी साँसें लेने लगे।

अब आगे..

थोड़ी देर बाद राधे एक तरफ़ लेट गया आज की चुदाई में मीरा को बहुत मज़ा आया।

मीरा- ओह्ह.. मेरे राधे.. सच्ची तुम बहुत अच्छे हो.. कितना मज़ा दिया मुझे.. तुम एक सच्चे मर्द हो.. मेरी जिंदगी में आकर तुमने खुशियाँ बिखेर दीं।

राधे- अभी कहाँ मेरी जान.. बहुत भूख लगी है.. पहले खाना खा लेते हैं उसके बाद बाकी की खुशी दूँगा.. चलो खाना लगाओ।
मीरा- हाँ जानू.. भूख तो मुझे भी बहुत लग रही है। पहले बाथरूम जाकर आती हूँ.. उसके बाद खाना।
राधे- चलो मैं भी साथ चलता हूँ.. दोनों साथ में हल्के होंगे।

मीरा मुस्कुराने लगी और राधे के साथ बाथरूम चली गई।

मीरा- कमोड तो एक ही है.. हम दो हैं.. अब बताओ कैसे पेशाब करेंगे।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
राधे- मेरी जान आज मूतने का एक नया तरीका ईजाद करेंगे.. तुम ये बताओ पेशाब ज़ोर से आ रही है क्या ?

मीरा- हाँ.. बहुत ज़ोर से आ रही है.. बस रोक कर रखे हूँ।
राधे- मेरा भी वही हाल है.. अब सुनो कमोड को जाने दो.. दीवार के साथ हाथ लगा कर घोड़ी बन जाओ और मैं रेडी कहूँ.. तब मूतना।
मीरा- आख़िर तुम करना क्या चाहते हो ?
राधे- तुम बस देखती जाओ.. जैसा मैं कहता हूँ.. तुम वैसा करो।

राधे का लौड़ा बेजान था.. मीरा घोड़ी बन गई थी और राधे अपने लौड़े को उसकी चूत पर बस घुमा रहा था।

मीरा- राधे क्या कर रहे हो.. मुझसे कंट्रोल नहीं हो रहा।

राधे का लौड़ा धीरे-धीरे खड़ा हो रहा था.. अब उसका भी कंट्रोल आउट हो गया था।
राधे ने ज़ोर से 'रेडी' कहा.. मीरा की फुद्दी से पेशाब शुरू हुआ.. इधर राधे ने लौड़ा चूत में घुसा दिया और मूतने लगा।
राधे की गर्म पेशाब का अहसास चूत में मीरा को बड़ा मज़ा दे रहा था।
वैसे तो चूत में लौड़ा हो तो पेशाब आना मुश्किल है.. मगर जब लौड़े की नोक पर पेशाब हो.. तब ऐसा हो सकता है।

राधे भी मज़े से मूतने लगा।
जब दोनों शांत हुए.. तो खिलखिलाकर हँसने लगे। राधे ने शावर चालू कर दिया और दोनों मज़े से नहाने लगे।
पंद्रह मिनट बाद दोनों बाहर आए.. उनकी भूख अब ज्यादा बढ़ गई थी। अपने बदन को साफ करके दोनों नंगे ही खाना लेकर बैठ गए।

राधे- ले खा मेरी जान.. पेट भर कर खा।
मीरा- उहह.. बस भी करो.. कितना खिलाओगे.. मेरा पेट भर गया।
राधे- अरे खा.. मेरी जान.. जितना खिलाऊँगा.. वो सारा निकाल दूँगा.. ऐसी चुदाई करूँगा कि दोबारा खाना माँगेगी.. हा हा हा हा !
मीरा- अच्छा ये बात है.. मैं भी देखूँगी.. इस बात पर थोड़ा और खाऊँगी मैं।
राधे- खा मेरी जान खा.. आज तुझे ऐसे अपने लौड़े पर कुदवाऊँगा कि सारा खाना हजम हो जाएगा।

दोस्तो, जब तक ये खाना खाते हैं.. हम रोमा का हाल देख आते हैं। उसने अपनी लाइफ में पहली बार लंड को हाथ से ठंडा किया है। अब घर जाकर कुछ तो करेगी.. वो तो चलो रोमा के घर चलते हैं।

रोमा अपने कमरे में लेटी हुई आज के उन सेक्सी पलों को याद कर रही थी, उसका चेहरा

साफ बता रहा था कि वो बेहद खुश है.. यानि नीरज की हरकतें उसको अच्छी लगीं।रोमा ने नाईटी पहनी हुई थी और बस नीरज के बारे में सोच रही थी.. तभी उसके फ़ोन पर रिंग हुई।

रोमा- हैलो कौन.. ?
नीरज- अच्छा जी.. हमारी आवाज़ भी नहीं पहचान रही हो.. मैं नीरज बोल रहा हूँ मेरी जान।

रोमा मस्ती के मूड में थी.. तो उसने कह दिया- कौन नीरज ?
नीरज- अच्छा कौन नीरज.. मेरे सामने होती.. तो अभी बता देता कौन नीरज।

रोमा- हा हा हा हा अच्छा क्या करते.. अगर मैं सामने होती तो ?
नीरज- बताऊँ.. सुन पाओगी तुम.. इतनी हिम्मत है तुम्हारे अन्दर ?

रोमा- मुझमें तो बहुत हिम्मत है.. चाहो तो मेरे ब्वॉय-फ्रेण्ड से पूछ लो.. आज उसके साथ बड़ा हिम्मत का काम किया है मैंने.. आप बताओ आप कितने बड़े हिम्मत वाले हो.. आप क्या करते अगर अभी मैं सामने होती तो ?
नीरज- अच्छा जी.. मेरी हिम्मत देखना चाहती हो.. तुम्हारे ब्वॉय-फ्रेण्ड से ज्यादा पावर है मेरे में.. उसने तो तुम्हें सिर्फ टच करके ठंडा किया होगा.. मैं फ़ोन पर बात करके ही कर सकता हूँ.. समझी !

रोमा बड़े सेक्सी मूड में थी- अच्छा जी.. इतना ही पावर है तो बताओ.. अभी यहाँ होते तो क्या करते ?
नीरज- बताता हूँ.. पहले तुम ये बताओ इस वक़्त तुम कहाँ हो.. और तुमने क्या पहना हुआ है।
रोमा- मैं अपने कमरे में हूँ.. दरवाजा लॉक है और मैंने एक शॉर्ट नाईटी पहनी है।

नीरज- अच्छा मेरी जान.. अन्दर क्या पहना है.. वो तो बताओ।
रोमा- अन्दर तो ब्रा और पैन्टी है.. क्यों ये सब आप क्यों पूछ रहे हो ?

नीरज- इसलिए पूछ रहा हूँ जान.. ताकि जब मैं बताना शुरू करू कि मैं वहाँ होता तो क्या करता.. मुझे सब पता होना चाहिए ना।
रोमा- अब तो मैंने सब बता दिया ना.. अब आप बताओ क्या करते ?
नीरज- चुपके से आता और तुम्हारे मखमली होंठों को चुम्बन करता.. एक हाथ से तुम्हारे सन्तरे सहलाता।

रोमा- अच्छा आगे बोलो..
नीरज- नहीं.. तुम महसूस करो.. जो मैं कहता हूँ.. तब ही मज़ा आएगा।

रोमा- ओके.. अब करूँगी।
नीरज- मैं तुम्हारे मम्मों को धीरे-धीरे दबाता हूँ एक हाथ से.. तुम्हारी नाईटी को ऊपर करता हूँ।

रोमा- आह्ह.. मज़ा आ रहा है.. करते रहो आह्ह.. आराम से दबाओ ना।
नीरज- अब तुम्हारी नाईटी निकाल दी मैंने.. तुम सिर्फ़ ब्रा-पैन्टी में हो। अब मैं तुम्हारे जिस्म को बेतहाशा चूम रहा हूँ।

रोमा- आह्ह.. आह्ह.. नहीं उफ़्फ़्फ़.. आईईइ.. नहीं।
नीरज- अब मैंने तुम्हारी ब्रा भी निकाल दी.. तुम्हारे मस्त मम्मों को दबा रहा हूँ।

रोमा सच में गर्म हो गई थी.. उसकी उत्तेजना बढ़ने लगी थी। वो अपने मम्मे खुद दबाने लगी थी।

नीरज- अब मैंने तुम्हारी पैन्टी भी निकाल दी.. तुम्हारी गुलाबी चूत अब आज़ाद हो गई।

अब मैं कभी तुम्हारे मम्मों को चूस रहा हूँ.. चूत को चाट रहा हूँ.. तुम पागल हो रही हो।
रोमा- आह्ह.. ऐइ.. मज़ा आ रहा है.. करते रहो आह्ह।

नीरज- अब मैंने अपने कपड़े निकाल दिए.. मेरे लौड़े को तुम्हारी चूत पर रगड़ रहा हूँ।
रोमा- आह्ह.. ऐइ.. नहीं ऐसा मत करो.. आह्ह.. तुम्हारा बहुत बड़ा है आह्ह।

नीरज- नहीं मेरी जान.. घबराओ मत.. मैं बड़े आराम से तुम्हारी चूत को चोदूँगा.. बस तुम मज़ा लो। अब मैं धीरे-धीरे लौड़े को चूत में घुसा रहा हूँ।

दोस्तो, उम्मीद है कि आप को मेरी कहानी पसंद आ रही होगी.. मैं कहानी के अगले भाग में आपका इन्तजार करूँगी.. पढ़ना न भूलिएगा.. और हाँ आपके पत्रों का भी बेसब्री से इन्तजार है।
pinky14342@gmail.com

Other stories you may be interested in

ममेरे भाई ने मेरी कुंवारी चूत की चुदाई की-1

दोस्तो, मेरा नाम आशना है. मैं अहमदाबाद में रहती हूँ. आज जब मैं संसार की सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली हिंदी में सेक्स कहानी वाली अन्तर्वासना की साइट पर सेक्स स्टोरी पढ़ रही थी. तब मुझे लगा कि मुझे भी […]
Full Story >>>

बहन बनी सेक्स गुलाम-5

दोस्तो, मेरी इस सेक्स कहानी को आप लोगों का बहुत प्यार मिला. मैं फिर से आपका सबका धन्यवाद करना चाहता हूँ और नए अंक के प्रकाशन में देरी के लिए क्षमा चाहता हूँ. कहानी थोड़ी लंबी हो रही है क्योंकि […]
Full Story >>>

चालू शालू की मस्ती-3

अब तक उसके दोनों हाथ में पाना पकड़ा हुआ था अब उसने एक हाथ का पाना रख दिया और मेरी कमर पर ले आया और धीरे-धीरे कमर और मेरे नंगे हिप्स पर घुमाने लगा. हम दोनों की नजरें आपस में […]
Full Story >>>

लंड के दरबार में मेरी चुत हाजिर

अन्तर्वासना के सभी साथियों को मेरा प्रणाम. मैं नेहा शर्मा हूँ. मेरी पहली कहानी मेरी प्यासी चुत में मोटा लण्ड को पढ़कर सभी साथियों ने मेल करके जो धन्यवाद और प्यार दिया है. सभी को मैं दिल से धन्यवाद करती […]
Full Story >>>

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-4

अब तक इस टीचर की चुदाई स्टोरी में आपने पढ़ा कि मैं नम्रता की गांड मारने की तैयारी कर रहा था. मैंने उससे क्रीम के पूछा कि किधर है. नम्रता ने बताया कि उधर टेबल पर रखी है … और […]
Full Story >>>